हिन्दी प्रादेशिक समाचार
आकाशवाणी चंडीगढ़
20 जुलाई 2024, समय 1305

संसद के मानसून सत्र से पहले, इस समय नई दिल्ली के संसदीय सौध में सर्वदलीय बैठक चल रही है। बैठक में, सरकार संसद के दोनों सदनों के सुचारू संचालन के लिए सभी राजनीतिक दलों से सहयोग मांगेगी। बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के सदन के नेता शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा में सदन के नेता जगत प्रकाश नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल और डॉ. एल. मुरुगन बैठक में उपस्थित हैं। कांग्रेस से गौरव गोगोई और प्रमोद तिवारी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरद पवार गुट से सुप्रिया सुले, डीएमके से टी. आर. बालू और तिरुचि शिवा और समाजवादी पार्टी से राम गोपाल यादव भी बैठक में उपस्थित हैं। उल्लेखनीय है कि संसद का मानसून सत्र कल से शुरू होगा और 21 अगस्त तक चलेगा। सत्र के दौरान, दोनों सदनों की कुल 21 बैठकें होंगी। इस दौरान जन विश्वास (संशोधन) विधेयक, राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक और मर्चेंट शिपिंग विधेयक सहित कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा होने की संभावना है।

****

हरियाणा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश में चिकित्सकों की कमी को जल्द पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।चिकित्सकों की भर्ती प्रक्रिया योजनाबद्ध तरीके से लगातार जारी है। वो कल अटेली विधानसभा क्षेत्र के खेड़ी व नावदी गांवों में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी और जल्द हो ताकि योग्य चिकित्सक जल्द से जल्द अपनी सेवाएं देना शुरू कर सकें। मंत्री ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वा०च्च प्राथमिकता है। उन्होंने ग्राम पंचायत कांटी के भवन में चल रहे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को लेकर बताया कि अब यह जमीन स्वास्थ्य विभाग के नाम हो चुकी है। इसकी मंजूरी आ गई है। अगले सप्ताह में निशानदेही करवाई जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के तहत अटेली खंड के तिगरा, बजाड़, बिहाली और मोहलड़ा गांवों में उप-स्वास्थ्य केंद्र के लिए नए भवन बनाए जाएंगे। ये उप-स्वास्थ्य केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करेंगे।

****

हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक विजेता खिलाड़ियों के 31 प्रशिक्षकों के लिए 3 करोड़ 66 लाख रुपये के नकद पुरस्कार पारित कर दिए गए हैं। इन प्रशिक्षकों को जल्द ही पुरस्कार की राशि मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि अन्य प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों को भी जल्द ही नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। खेल मंत्री ने प्रदेश के प्रशिक्षकों से आह्वान किया है कि वो और लगन व मेहनत से खिलाड़ियों को अभ्यास करवाएं, ताकि खिलाड़ी देश के लिए और पदक जीत सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की ओर से हाल ही में, चौथे पैरा एशियाई खेलों 2022 में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के लिए नकद पुरस्कार की करीब 32 करोड़ रुपए की राशि भी जारी की गई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार की ओर से ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी को 7 करोड़, रजत पदक जीतने वाले को 5 करोड़ और कांस्य पदक विजेता को 3 करोड रुपए का पुरस्कार दिया जाता है। इसी तरह से खिलाड़ियों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए नौकरियों में तीन प्रतिशत कोटा भी दिया जाता है। खेल मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य है कि खिलाड़ियों के लिए ज्यादा से ज्यादा खेल के मैदान, अनुभवी प्रशिक्षक और बेहतर खेल सामग्री मुहैया करवाई जाए। सरकार इस दिशा में तेज गति से काम भी कर रही है।

****

अखिल भारतीय चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी संघ की चंडीगढ़ राज्य इकाई ने सेक्टर 16 स्थित सरकारी मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल के परिसर में एक पौधारोपण अभियान चलाया। इस संघ की चंडीगढ़ इकाई के राज्य सचिव रॉकी डैनियल ने बताया कि "एक पेड़ - एक जीवन" के संदेश पर केंद्रित इस पौधारोपण अभियान का उद्देश्य पर्यावरण सरंक्षण को बढ़ावा देना है। पौधारोपण अभियान में चिकित्सा सेवा निदेशक संघ डॉ. परमजीत सिंह सहित कई चिकित्सकों, संघ के पदाधिकारियों व आम लोगों ने भाग लिया।

****

आज अंतरराष्ट्रीय शतरंज दिवस के अवसर पर हरियाणा के समस्त 22 जिलों के महिला व पुरुष शिक्षकों अध्यापक अध्यापिकाएं के लिये जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। हरियाणा शतरंज एसोसिएशन के महासचिव ब्रहमचारी कुलदीप शतरंज ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य शिक्षकों में रणनीतिक सोच, मानसिक अनुशासन व खेल भावना को बढ़ावा देना है जो भारत सरकार की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की समग्र विकास की दृष्टि के अनुरूप है। प्रदेश के 22 जिलों में होने वाली इस प्रतियोगिता में महिला व पुरुष अध्यापक प्रत्येक वर्ग मे विजेताओं को अलग अलग पुरस्कार दिए जाएंगे।पहले पुरस्कार में दो हजार रुपए, दूसरे पुरस्कार में 1500 व तीसरे पुरस्कार में एक हजार रुपए दिए जाएंगे। एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि विद्यार्थियों की शतरंज में रुचि पैदा करने के लिए विद्यार्थियों व अभिभावकों को शतरंज खेलने से होने वाले मानसिक लाभ के प्रति जागरूक किया जाएगा। प्रति वर्ष विद्यार्थियो को ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान घर पर उपलब्ध पुराने गत्तों से संबंधित गणितीय आकृतियों के मॉडल तैयार कर विद्यालय में प्रोजेक्ट के रूप में प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत गुजरात, तमिलनाडू व गोवा की तरह हरियाणा में भी जल्द ही शतरंज को स्कूली पाठ्यक्रम में विषय के रूप में शामिल किया जायेगा।

****